झारखण्ड सरकार
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 2018, आईडीसीएफ और विटामिन ए कार्यक्रम के लिए स्टेट कॉर्डिनेशन कमिटी की बैठक

रांचीः12 जून 2018– हमें राज्स को कृमि मुक्त करने के लिए 2011 सेंसस डाटा के आधार पर टारगेट बनाना होगा कि कितने बच्चो को कृमि मुक्त की दवा दिया जा सके। अगर कोई एक भी बच्चा छूट जाता है ,तो कृमि का खतरा बना रहेगा। यह भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है और इसे सफल बनाने के लिए सभी को टीम के रूप मे काम करना होगा। उक्त बातें अभियान निदेशक कृपानंद झा (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) ने कही। श्री झा मंगवार को कार्यक्रम की तैयारी, समीक्षा की प्रगति, सुधार किये जाने वाले क्षेत्रों की पहचान, विटामिन ए और आईडीसीएफ कार्यक्रम से संबंधित राज्य स्तरीय कार्डिनेशन कमिटी की बैठक धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन में अध्यक्षता करते हुए कहा।

अभियान निदेशक कृपानंद झा ने कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रचार प्रसार भी पूरे राज्य मे करना होगा। उन्होने सूचना जनसंर्पक विभाग से कहा की इन काय्रक्रमो का अपने स्तर से प्रचार प्रसार करें।श्रो झा ने कहा कि राज्य स्तर से Vlt A का टेली कालिंग जो करवाई जा रही है, उस पर शिशु कोषांग उसका मूल्याकन करे और जिलो को उस पर निदेश जारी करें। प्रत्यके विभाग एक साथ मिलकर इस अभियान को सफल बनाने के लिए काम करें।

गौरतलब है कि , राज्य में पोषण के स्तर को बढ़ाने के अपने कमिटमेंट को पूरा करने के लिए झारखंड सरकार ने अन्य शुरू किये गये पहल के साथ स्कूल और आंगनबाड़ी आधारित राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राज्य के स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और एकीकृत बाल विकास परियोजना का सम्मिलित प्रयास है। भारत सरकार के निदेशानुसार एनडीडी कार्यक्रम का अगला चरण 10 अगस्त से शुरू हो रहा है जिसका मॉप अप राउंड 17 अगस्त को सभी जिलों में चलाया जायेगा।

राज्य मे अगस्त 2018 चरण के लिए 1,38,00,000 लक्ष्य रखा गया है।। । इस अभियान में 1 से 19 वर्ष के बच्चो को कृमि मुक्ति की दवा खिलायी जाएगी।

झारखंड में फरवरी 2018 का चरण 17 जिलों में चलाया गया था जिसमें कुल 8187371 बच्चों को कृमि मुक्ति की दवा खिलायी गयी थी। इनमें से 4635284 बच्चों को सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त निजी स्कूलों में दवा खिलायी गयी जबकि राज्य के 3552087 बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों में कृमि मुक्ति की दवा खिलायी गयी।

बच्चों में दृश्य विकास, पाचन तंत्र की मजबूती और विकास के लिए विटामिन ए बहुत आवश्यक होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2012 की एक रिपोर्ट के अनुसार विटामिन ए के इस्तेमाल से स्वास्थ्य के कारण होनेवाले बाल मृत्यु में 24 प्रतिशत तक की कमी आयी है।

जेएमएसएसपीएम के तत्वों में 9 महीने से पांच साल तक के बच्चों को विटामिन ए सप्लिमेंटेशन, छह महीने से पांच साल तक के बच्चें को आईएफए सिरप वितरण, नियमित टीकारण और छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण, एमयुएसी टेप से कुपोषित बच्चों की जांच के बाद उन्हें कुपोषण उपचार केंद्र में रेफर करना, आयोडिन की जांच के लिए चिह्नित जिलों (लोहरदगा, गुमला, रांची, पलामू, गोड्डा, साहेबगंज, देवघर और दुमका) में नमक के नमूनों की जांच, एमसीपी कार्ड में महिलाओं का पंजीकरण, इनफेंट एंड यंग चाइल्ड न्युटिशन के लिए काउंसलिंग और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होनेवाले विटामिन ए की अधिकता वाले फलों की जानकारी देना शामिल है।

जेएमएसएसपएम का आखिरी राउंड दिसंबर 2017 में आयोजित किया गया था। इस दौरान नौ महीने से पांच साल तक के 3811155 बच्चों में से 3411364 (करीब 90 प्रतिशत) बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलायी गयी।

सघन डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा (आईडीसीएफ)

इस कार्यक्रम के दौरान 15 जून से 29 जून 2018 तक कई क्रियाकलाप आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी राज्यों में डायरिया के कारण बच्चों की होने वाली मृत्यु में नियंत्रण लाना है। पखवाड़ा के दौरान आयोजित किये जानेवाले क्रियाकलापों में एडवोकेसी, जागरूकता कार्यक्रम, डायरिया प्रबंधन सेवा प्रावधान, स्वास्थ्य केंद्रों मे ओआरएस जिंक कारनर की स्थापना, सहिया द्वारा ओआरएस जिंक का वितरण के साथ साथ शिशु और युवा बच्चों के पोषण से संबंधित क्रियाकलापों को बढ़ावा देना शामिल है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य डायरिया से होनेवाले मृत्यु को शून्य पर भी लाना है।

सघन डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा को दो चरणों में आयोजित किया जायेगा :

समुदाय और ग्रामीण स्तर पर–

- सभी घरों में ओआरएस का वितरण और सहिया द्वारा काउंसेलिंग।
- डायरिया प्रबंधन, सफाई संबंधित विशयों पर एएनएम द्वारा अंतर व्यैक्तिक संचार।
- आंगनबाड़ी केंद्रों, आउटरिच सेसन साइट, स्कूलों में हाथ साफ करने के तरीके का प्रदर्शन।

- शहरी और कठिनाई से पहुंचने वाले स्थानों के लिए मोबाइल हेल्थ टीम का गठन।

स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर–

- डायरिया के इलाज के लिए ओआरएस जिंक कारनर की स्थापना।
- डायरिया से संबंधित मामलों की उत्कृश्ट केस प्रबंधन को प्राथमिकता।
- स्वास्थ्य केंद्रों में पानी के टंकी की सफाई।

कार्यक्रम की तैयारी, समीक्षा की प्रगति, सुधार किये जाने वाले क्षेत्रों की पहचान, विटामिन ए और आईडीसीएफ कार्यक्रम से संबंधित राज्य स्तरीय कार्डिनेशन कमिटी की बैठक धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन में 12 जून 2018 को आयोजित की गयी।

राज्य स्तरीय कार्डिनेशन कमिटो की बैठक में निम्नलिखित पदाधिकारी उपस्थित थे निदेशक शिक्षा विभाग, निदेशक महिला एवं शिशु विकास एवं सुरक्षा विभाग, निदेशक, महानिदेशक पोाषण मिशन झारखण्ड, आयुक्त नगर निगम, निदेशक पंचायतीराज संस्था, निदेशक मध्याहन भोजन, उपायुक्त नवोदय विधालय समिति झारखण्ड, उपायुक्त कन्द्रीय विधालय संस्थान पटना, निजो विधालयो के प्रतिनिधी गण, निदेशक स्वच्छ भारत अभियान झारखण्ड, निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग झारखण्ड, राज्य कोषांग पदाधिकारीगण, निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क विभाग झारखण्ड, रोटरी क्लब एवं लॉयन्स क्लब के राज्य प्रतिनिधी, नेहरू युवा केन्द्र के राज्य निदेशक, स्काउट गाईड के राज्य सचिव, एन0सी0सी0 के प्रतिनिधि,युनिसेफ झारखण्ड के राज्य पतिनिधि एवं एभिडेंस एक्शन के राज्य के प्रतिनिधि।

कृमि मुक्ति टारगेट 1 से 19 वर्ष के बच्चो का अगस्त 2018 चरण

आंगनबाडी केन्द्र मे पंजीकृत बच्चे	आं0 बा0 के0 के बाहर/अपंजीकृत बच्च	सरकारी/सरकारी प्रदत्त स्कूलो मे नामांकित बच्चे	निजी स्कूलो मे नांमांकित बच्चे	स्कूलो से बाहर के बच्चे
24,56,046	11,10,757	53,58,126	17,44,699	31,30,373

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग